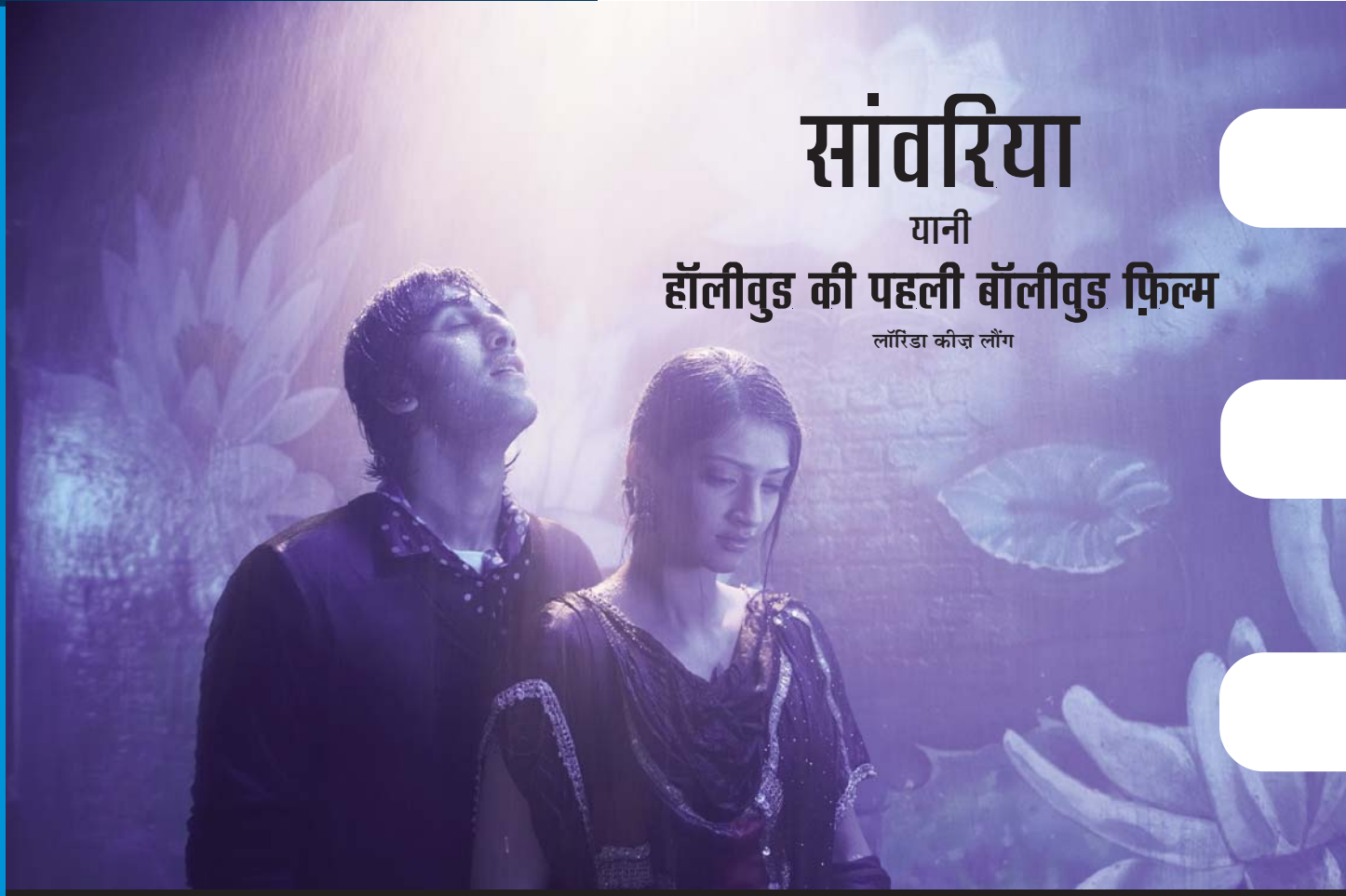

# सांवरिया
## यानी
## हॉलीवुड की पहली बॉलीवुड फ़िल्म

लॉरिंडा कीज़ लौंग

साभार: सोनी पिक्चर्स एवं एसएलबी फ़िल्म्स, सर्वाधिकार सुरक्षित © 2007, सोनी पिक्चर्स एवं एसएलबी फ़िल्म्स

दीवाली पर भारतभर में प्रदर्शित हुई फिल्म सांवरिया ने इतिहास रचा तो सिर्फ इसलिए नहीं कि यह कपूर सितारों की एक नई पीढ़ी की पहली फ़िल्म थी। दो प्रेमियों के मिलने-बिछुड़ने को लेकर बनी यह फ़िल्म उसी दिन अमेरिका और कनाडा में भी 80 से भी अधिक सिनेमाघरों में अंग्रेजी सबटाइटल के साथ प्रदर्शित हुई। यह अपने किस्म की एक पहली बड़ी शुरुआत है।

अमेरिकी और भारतीय फ़िल्म उद्योग के भावी सहयोग का संकेत देती इस फ़िल्म का निर्माण हॉलीवुड के एक प्रमुख फ़िल्म और टेलिविज़न स्टूडियो सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट ने भारत में किया है। लेकिन रणबीर कपूर और सोनम कपूर की मुख्य भूमिकाओं वाली यह फ़िल्म शुद्ध बॉलीवुड फ़िल्म है- संजय लीला भंसाली का निर्देशन, बड़े सितारे सलमान खान और रानी मुखर्जी सहयोगी भूमिकाओं में।

सोनी की अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म निर्माण प्रमुख डेबॅरा शिंडलर ने स्पैन को बताया, ''इसके दर्शक वर्ग की रुचियों, इसके सितारों और फ़िल्मकारों की प्रतिभा और भविष्य में विकास की संभावनाओं को देखते हुए आज भारत संसार के सबसे बड़े, सबसे रोमांचक फ़िल्म बाज़ारों में से एक है। इसलिए जब हम संजय लीला भंसाली से मिले, उनका काम देखा, सांवरिया की पटकथा देखी तो हमें लगा कि हमें उनके साथ काम करना है, यह फ़िल्म बनानी है।'' हॉलीवुड में किसी स्टूडियो द्वारा इस तरह किसी फ़िल्म या टॉक शो से जुड़ने के फैसले को - फ़िल्म के लिए धन उपलब्ध कराने, इसके विकास, निर्माण और वितरण में मदद करने को ग्रीन लाइटिंग कहा जाता है, ट्रैफ़िक सिगनल की तरह इसका अर्थ है, ''आगे बढ़ो''

सोनी के ही एक विभाग कोलंबिया ट्राइस्टार मोशन पिक्चर ग्रुप के प्रवक्ता स्टीव एल्ज़र ने स्पष्ट किया, ''किसी हिंदी फिल्म के लिए किसी प्रमुख हॉलीवुड स्टूडियो द्वारा ग्रीन लइटिंग का यह निर्णय भारतीय फ़िल्म निर्माण व्यवसाय के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। यह ऐतिहासिक पहल संसार के दो सबसे बड़े और गतिशील फ़िल्म निर्माण समुदायों के हाथ मिलाने को प्रोत्साहित करती है और भारतीय प्रतिभाओं के लिए नामी हॉलीवुड स्टूडियो के साथ काम करने का बढ़िया अवसर प्रदान करती है।''

पिछले एक दशक से सोनी के स्थानीय भाषा व्यवसाय के विकास की ज़िम्मेदारी संभाल रहे और सुश्री शिंडलर के साथ इसी साल शुरू हुए स्टूडियो के नए अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म निर्माण प्रभाग के सह-प्रभारी कोलंबिया ट्राइस्टार मोशन पिक्चर ग्रुप के उपाध्यक्ष गैरेथ वाइगन कहते हैं, ''यह फ़िल्म कारोबार के रचनात्मक पक्ष का वैश्वीकरण है। पहले सहयोग सिर्फ मार्केटिंग और वितरण तक सीमित रहता था। संसार के सबसे बड़े और व्यापक फ़िल्म निर्माण तंत्र और दर्शक वर्ग के चलते भारत इस नए रुझान का पूरा लाभ उठा पाने की स्थिति में है।'' अगले साल तक हॉलीवुड के दो बड़े स्टूडियो वार्नर ब्रदर्स और डिज़्नी भी अपनी पहली भारतीय फ़िल्में प्रदर्शित करेंगे।

*सांवरिया फ़िल्म में रणबीर कपूर ( बाएं ) और सोनम कपूर ( दाएं )।*